ed in private buildings at present; and

(b) the steps being taken to house them in Government buildings?

The Minister of Transport and Communications (Dr. P. Subbarayan): (a) 33.

(b) Construction of Departmental buildings is taken up when suitable rented buildings are not available. Most of the post offices housed in rented buildings are suitable for post office work.

A departmental building is nearly complete for Ludhiana Kutchery S.O. Sanction for construction of departmental building for Jagraon P.O. has been issued.

Corruption cases on Railways

499. Shri Daljit Singh: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the number of corruption cases pending on tne Western and Central Railways as on the 31st January, 1960; and

(b) the nature of cases pending?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawas Khan): (a) 711.

(b) The cases are of varied nature such as:—

(i) Acceptance of illegal gratification.

(ii) Securing employment under false pretence or by concealing antecedents.

(iii) Doint money lending business.

(iv) Utilizing Railway labour for private work.

(v) Sub-letting of quarters.

(vi) Misuse of Passes and P.T.O's.

(vii) Permitting ticketless travel.

(viii) Charging false salaries of staff.

(ix) Charging false T.A.

(x) Non-recovery of demurrage and wharfage charges.

(xi) Misappropriation of Railway material.

(xii) Forging of Officers' signatures on overtime bills, etc. etc.

(xiii) Wrong measurements and wrong classification of earth work or wood etc. resulting in excess payments to contractors.

दिल्ली में सहकारी समितियां

५००. **श्री नवल प्रभाकर :** क्या सामुदायिक विकास और सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष १९५९ में दिल्ली में कितने व्यक्तियों ने नई सहकारी समितियां बनाने के लिए आवेदन किया;

(ख) ये समितियां किस प्रकार की थीं; और

(ग) इनमें से कितनी पंजीकृत की गईं ?

सामुदायिक विकास और सहकार उपमंत्री (श्री ब० स० मूर्ति) : (क) ३१ दिसम्बर, १९५९ को समाप्त होने वाले वर्ष में नई सहकारी समितियां बनाने के लिये २६४ आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कुल व्यक्तियों की संख्या, जिन्होंने इन समितियों के लिए आवेदन किया, ज्ञात नहीं है क्योंकि कुछ आवेदन पत्र भेजने वालों ने वापिस ले लिए थे और कुछ मूल रूप में ही त्रुटियों के कारण उनको लौटा दिए गए थे। फिर भी ३१ दिसम्बर, १९५९ तक पंजीकृत हुई २१८ समितियों के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों की संख्या ४६१८ है।

(ख) और (ग). जिन समितियों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे और जो ३१